उत्पादन हुआ था। उत्तर प्रदेश के आलू उत्पादक मुख्य जिले हैं- आगरा, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, फिरोजाबाद, इटावा, मैनपुरी, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, उन्नाव, बरेली, बदायूं, बिजनौर, संभल, लखनऊ और रायबरेली। किसानों को आलू का उचित मूल्य दिलाना एक चुनौती है। कई बार अधिक उत्पादन होने के कारण आलू की कीमतें गिर जाती हैं, जिससे किसानों को बहुत अधिक नुकसान होता है। कभी-कभी तो ऐसा भी होता है कि किसान अपने आलू बाजारों में छोड़कर चले आते हैं। स्थिति यहां तक खराब होती है कि सूंअर पालने वाले बहुत कम दामों में आलू खरीद कर सूअरों को खिलाते हैं ।

उत्तर प्रदेश में आलू प्रसंस्करण की केवल तीन इकाइयां हैं। हापुड़ की इकाई आलू फ्लेक्स, कोसीकलां मथुरा की पेप्सीको चिप्स और फ्रेंच फ्राई तथा बिजनौर की इकाई फ्रेंच फ्राई बनाती है। देश में केवल 7.5 प्रतिशत आलू का प्रसंस्करण हो पाता है और उत्तर प्रदेश में कुल उत्पादन का 1 प्रतिशत भी नहीं होता है।

मैं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि आलू प्रसंस्करण इकाइयां उत्तर प्रदेश के आगरा, फरुखाबाद, उन्नाव और बरेली जिलों में लगाई जाए, जिससे आलू का अधिक मात्रा में प्रसंस्करण हो सके और इसका लाभ किसानों को मिल सके। ये इकाइयां गुजरात पैटर्न पर लगाई जानी चाहिए, जहां आलू का प्रसंस्करण सबसे अधिक हो रहा है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Brij Lal: Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shri Babubhai Jesangbhai Desai (Gujarat) and Shri Ram Chander Jangra (Haryana).

Demand for construction of elevated road on a section of National Highway passing through Chandauli town, Uttar Pradesh

श्रीमती साधना सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं ध्यान चंदौली जनपद के चंदौली मुख्यालय के बीचों बीच से गुजरने वाले ...

श्री उपसभापति: माननीय साधना सिंह जी, जो आपको एप्रूव्ड टैक्स्ट है, केवल उसी को पढ़िए।

श्रीमती साधना सिंह: महोदय, राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ घनी आबादी और व्यावसायिक परिसर के अलावा नगर पंचायत मुख्यालय, पुलिस लाइन, दस राष्ट्रीय बैंक, नगर पंचायत कार्यालय, बाजार, न्यायाधीश आवास, सरकारी जिला अस्पताल व मंडी विकास समिति का कार्यालय और चंदौली स्टेशन होने के कारण यहाँ जाम की समस्या आये दिन बनी रहती है।

महोदय, मैं जो विषय तैयार करके आई थी।...(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापतिः माननीय साधना सिंह जी, आप इसका नियम समझ लीजिए कि आपने जो टैक्स्ट यहाँ लिखकर दिया है, जो मंजूर हुआ है, वही शब्दश: पढ़ना है।

श्रीमती साधना सिंहः कई बार एम्बुलेंस और अग्निशमन के वाहन भी यहाँ आकर फंस जाते हैं जिससे आपातकाल की सुविधाएं भी बाधित होती हैं।

महोदय, राष्ट्रीय राजमार्ग के इस भाग पर एलिवेटेड रोड बनाने से इस समस्या का सदा के लिए समाधान हो जायेगा।

Demand for construction of Tintoi-Modasa railway line

श्री चुन्नीलाल गरासिया (राजस्थान)**:** महोदय, राजस्थान राज्य के विश्व-प्रसिद्ध पर्यटक स्थल उदयपुर में पिछले कई वर्षों से पर्यटकों के आने की संख्या मे काफी बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण रेल मार्ग की सुविधा का पर्याप्त होना।

माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय रेल मंत्री जी के अथक प्रयासों से उदयपुर-असारवा (अहमदाबाद) तक रेल-आमान परिवर्तित कर नया रेलमार्ग शुरू करवा दिया गया है तथा देश के कई राज्यो को जोड़ने के लिए नई रेलगाड़ियाँ भी उदयपुर सिटी से शुरू करवा दी गई हैं। मैं इसके लिए माननीय प्रधानमंत्री जी और रेल मंत्री जी का कोटि-कोटि अभिनंदन करता हूं।

उदयपुर-संभाग क्षेत्र से कई उद्योगपति, गरीब, मजदूर वर्ग, नौकरी पेशा लोग अपने रोजगार के लिए मुंबई के लिए आवागमन रेल द्वारा करते हैं, परंतु वर्तमान में जो रेल मार्ग शुरू किया गया है, वह उदयपुर से असारवा (अहमदाबाद) तक किया गया है। वहां से मुंबई के लिए अन्य ट्रेनें पकड़नी पड़ती है, जिससे रेल यात्री, छोटे-बच्चे, बुजुर्ग काफी परेशान होते हैं। यदि यही रेलमार्ग टिंटोई से मोडासा (गुजरात) जो 20 किलोमीटर तक का एक टुकड़ा बचा है, इस मार्ग पर रेल लाइन बिछा दी जाए तो वाया-बड़ौदा-उदयपुर रेल मार्ग से मुंबई के लिए सीधा रेल मार्ग जुड़ जाएगा जिससे उद्योगपति, गरीब, मजदूर वर्ग, नौकरी-पेशा लोगों और पर्यटकों को मुंबई से उदयपुर आने-जाने में समय और धन दोनों की बचत होगी।

अतः मैं आपके माध्यम से भारत-सरकार से मांग करता हूं कि टिंटोई से मोडासा (गुजरात) तक 20 किलोमीटर नये रेल मार्ग का सर्वेक्षण करवा कर, इसे उदयपुर रेल मार्ग से जोड़ा जाए, जिससे वाया बड़ौदा होते हुए मुंबई तक पहुंचा जा सके, इससे समय व दूरी की बचत होगी, उदयपुर आने के लिए पर्यटकों को सीधा रेल मार्ग भी मिल जाएगा और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Chunnilal Garasiya: Shrimati Ramilaben